

पुनरुद्भूतं तं वसना न धूलं कलिभ्रम इह धाम ननु तं विदुः सिद्धि
न त्वत्कृष्णं स्नानं कृष्णं ॥ आयुर्मेव न त्वत्कृष्णं न त्वत्कृष्णं न त्वत्कृष्णं
नाममं सितयुक्तं मयि कालं ॥ रुद्रं त्वत्कृष्णं त्वत्कृष्णं त्वत्कृष्णं त्वत्कृष्णं
अकालं मयि दृष्टं नास्ति ॥ अथ न त्वत्कृष्णं त्वत्कृष्णं त्वत्कृष्णं त्वत्कृष्णं त्वत्कृष्णं
न त्वत्कृष्णं मयि त्वत्कृष्णं त्वत्कृष्णं त्वत्कृष्णं त्वत्कृष्णं त्वत्कृष्णं
तायं रुद्रं पदं शुक्लं फल्गुं जायाय विष्णुं न त्वत्कृष्णं त्वत्कृष्णं त्वत्कृष्णं

2696

यैत्राहिनिवर्षयः पूर्वो रिमवायः द्वादसांगुलवधुना कृ
 त्वा दवाय अधिदवत्यष्टत्राय पराधि वना ४ मयः हि वंध्यः
 संविनादव गुरि कृपू द्वादसा अत्य कलानसदि
 माजर्घयनि कृत्वा हा ॥ संव पूजा ॥ किमीन उमि ॥
 यमं का सज कात्यनममय रु ४ ला क ना ध जगदिय
 रु रा रु लः क लि ग द स जा न वि क्षा त्वा स फ मि रु ४ व

विदत्वं इ पि जानि नम मुने ॥ ऊजमान स ग थ ग न आ दि ल्य ग द
 न पी दा सा नि र्थ आ य आ ला ग का म ना र्थ आ दि ल्या र्च न वि ल्ध सर्व वि धि य
 नि पूर्ण म मु ॥ आ दि ल्य द व ना सृ पि ना व ल द्वा र व नु ऊ ज मा न नि चा गी य
 दा र्श क रु म मु ॥ ॥ ॐ नि आ दि ल्य ग द ४ ॥ कि क म ४ ॥ १ ॥ १४४ म सा
 नि धि ॥ ग्य म या गु य रु म स व व लू नी य ल ल रु ल धा नु स र्व ॥ ध न स र्व
 रु न य क ॥ ल व ना ॥ ३ स मा य उ मा य आ य पु र्वा धि द व ना य ॐ न्द मी ल

नमः नमः येषां ध्यानं ॥ ॐ ह्ययं गच्छती वलधना दध्म ह्यन विरुषन ग
 दापालि द्वि वा ह्य ककुवा वन दा धालि ॥ स्व माय ध्यान पृष्ठा नमः ॥ क
 नां जलि ॥ ॐ श्रीं सः स्व माय नमः ॥ धय कपू ल सां ना न धाम लु न धि ल वि
 ह्य ॥ श्रीं सः रुजका वरु नाय स्वान यल स्वां ॥ जाय मं रु ॥ ॐ श्रीं सः स्वा
 गने वद्य धा ला म न लाय दाम चि कै रु ल च सि म धि इ इ म धि रु गु धि जा
 अ ध म्मा अ काल म स्य द रु कि ॥ अद्य शा क ॥ सिल क ॥ ॐ किल स म धा ला व

यत्र माष क रु व रु द ध्यां जा याय क नि कान अ याय अ व य ग म याय
 ल्य न व ल्य य व स म जा याय अ व च दा य द धि ना रि म र वा या य सा मा
 धि द व ना ड मा य य र्थ धि द वे ना अ हा ग म म धि र्म य नि रु द ल अ
 स्य न रु ल ग न स हि ना य ॥ र्मा अ ध य नि रु स्वा ला ॥ सं ष पू ज पा कि न नः
 रु नि ॥ ॐ हि म सं ष म ला वा रु क धा य धा नि पि या स मा क ला हि नी रु रु स
 दा मा नि य य रु रु ॥ सा म क रु व रु द ध्यां क रु को र व म अ नि अ वि यः

लामां संहत वेगमाजिनमस्तु गराडजमानस्य सादि ॥ ५ ॥ यज्जा लावना
 गुगु लिसेड थं इल ॥ ००० निस्वमगुह ॥ कि ॥ २ ॥ अंगमलयायका
 थसा लक्ष्म पलिधानुपलिस्वानन ॥ खनय लावना सिलकमकु ॥ ३ ॥ अंग
 वायसकंदाय जगियसाधिदवमाय ॥ ००० मीसपूर्यां नम ॥ यज्जालि ॥ ३ ॥ को
 कोस अंगानाय नम ॥ धय घगुनपक्षम्य नस्मानयायकमकु थिलेचि
 गशीव ॥ ३ ॥ जजका नाय स्वानन ॥ अक्षस्वानजाय ॥ ३ ॥ को ॥ ४ ॥ सस्वाहा ॥ न

वद्यसमयधालामनयकाचिकं रुल नसि वगिमधि रुल इइजा जाय
 अधमा अकालमस्तु दजनाकि ॥ अधयागा ॥ सिलकमकु ॥ ३ ॥ मधु ॥ ३ ॥
 लामा इवाय मायकस्तु इसमां जगाय यस्वाधन ॥ जगाय ला ॥ ३ ॥ वे लजगव
 वाय अज्जा वदवमाय सकंदाय साधिदवना ॥ जगीय विरपा ॥ जमाधि ॥ गी
 यगि ॥ ३ ॥ नस अस्तु नंगन सदि नाय ॥ जजमानस ॥ ००० मी अर्घ्यप निरु स्वा
 ला ॥ सवय जा ॥ कि न न ॥ नारु धल निरु रु स ए न वध ॥ जिवसंय हं ॥ ४ ॥ कि

[illegible][illegible]

धृजिदवगायविष्णवे त्रधविषिः विष्णुदवगा र्णमु उपकु उ (१) अर्णः
नवगनसहिगाय रु ऊमाया अर्णपनि वृत्त्याह ॥ संखमजा किनने गा ॥ ३
वाहिनीगर्हसंरुग कर्हि का सेदलपहः समय वमहा न ऊवधसा मिय
यकु ॥ धनिष्ठा द्वादसि रु सम र्णद (१) समरुवे ना नायन द्विदवत्या व
धवे शा नमकु ॥ ऊजमान द सनिमित्तिकि पाय ॥ ०० निवधत्रा सा नि ॥
॥ वरुस्य गिया न कु (१) यीम वरु वरुने वा गुन ॥ खान कु रानसं

रावना ॥ पीनमा र्णा व नधना न व र्ण समप हः ॥ व वा राव गु न नी या
ता ऊरु रु कम लु ल वरु स्या निध्या न प र्णानम ॥ रु ना ऊरु सि ॥ ३ हं ही स ४
वरु स्या नि यनम ॥ धप धत् प च म न सना न वि न ग्य व वन रु ऊका
जा म खान अ रु खान खान जा प म कु ॥ ३ हं ही सः स्वाहा ॥ न व य स
मय वा ना म न ता ध व रु ल ०० सी सि सु म धि रु गु न कु जा ना य जा प २

क धर्मो का नमः दक्षाय किं अघमन् ॥ ॐ सिंधुदहा रुवाय आ मुने
मुकुन का दसां जायाय उरु न हा गुनिन कयाय अग सहा न. गभा
य वा क न जायाय पी न व ल्हाय प मा कि नि उरु ना रि मू र्वाय वरु
स्य मि अ धि द व नाय वृ क्त लय स्य धि द व नाय अ म द ग्नी अ धि द वः
व नाय वरु स्य मि द व ना ए क प च्छ द सा अर्थ न ग ल स ही नाय अ म
मान ॥ ॐ मां अ र्घ्य पु ति कृ स्वा हा ॥ सं घ दू जा ॥ कि न न या ग ॥ ॐ सी व

नी क सी का का ले ॥ स री गा य ॥ य दा वि र ॥ द व र्म गी म हा न जी गु न ॥
नि पु य क तु ॥ सि न्धु स म दू र्ग हा गु नि म क र्म र वं ॥ गु न र्ध वृ क्त द व लेः
न म तु न ॥ अ ज मा न स सा दि ॥ ॥ ॐ नि व द स्य ति सी ति ॥
॥ ॐ क या क य गु स त्र न त्र मा नि धा तु अ ह ॥ सान क र्म न सां रा व ना ॥ ॐ द व
द स गु व नि न क र्म ति न ॥ मो व तु रू का द लि ना व न दा का या सा अ स प क
गु न ॥ गु क्रा य ध्या न प र्वा न म ॥ क र्मां ज ति ॥ ॐ दौं दीं स ॥ गु क्रा य न म ॥ ध

पुष्पगुह्य ॥ पञ्चमृतसाल ॥ चैत शीघ्रं पुष्पं पुष्पं कावसु ३३ ॥ स्नानं
दावलिस्त्री ॥ नैवद्य समयं वा नाभामविकर्मनरुसुधासुहिनिमधिः
रुगुधनजा ॥ आपमनु ॥ ३३ ॥ डां डां सु ४ स्वाहा ॥ अथ मां पुष्पावम द्रुनाकि
अधमिनु ॥ ३३ ॥ रागवन्द ॥ रावाय वैशु मुद्रनम्यां जाग्राय पूषनद्रुनाः
य रागवैव ग्राय वाक्कन जाग्राय मुद्रव श्रियव मुद्रसां कृतय पूर्वपुन्याः
रिमृत्वाय मुद्रा अधिदवगासुकाय पर्याधिदवरा जाय वसिन्विधि मुद्र

दवगा निष्ठयद्रुस्य अगनन वगन सहिताय अद्रुमान त्यादि ॥ अर्ध
पनिष्ठ स्वाहा ॥ संवय जा ॥ किमन भागव ॥ ३३ ॥ कासंदद्रुमकासं मुद्रव रूविह
धितं ॥ आनिददाहु वा निन देन व आसः रागव ॥ पूषा रागव न द्रुना न व
म्यां रागव रूव मुद्रसंकाधिदव रूविष जातिनम मुनि ॥ अद्रुमान निमिति
त्यादि ॥ ॥ मुद्रसां निष्ठय जा ॥ ॥ अनिवचयमास कयगुहा
नवनीव धातु न स्नान कृत्वा न स्यात्वावना ॥ ३३ ॥ उनीन समग्रति ॥ नवीवस

दृग्ध वाहन वानवानासुतधवा कर्कशाकोसुनसुदासुनीधवायध्यानय
 धनम॥ कर्मांजलिउंयांपीस४मनिधवायनमशाधूपगंधनस॥ धंवामनस
 ना॥ धनकमुत्त॥ ऊऊकावस्तुकाउ॥ स्नानजिह्वास्त्री॥ नेवयसमयधवाक
 मुविचिकंमनरुवमिसिहाममधि रूगुमासका॥ उंयांपीस४स्वाहा॥ कध
 माअकनमस्वदुक्तकि॥ अर्धमस्तु॥ उं॥ धवाकदस्ववायमायमुक्त
 धर्मांजावायनाहिनकृपायकायपगवायसूदजावायनीवर्धयदिष्टकन
 यप्रमिष्टदक्रिनास्मिन्वायमनीधवायधिवदवायकुमायप्रत्यधिवदवा

यप्रजापतिमसिधमनिवचदवगागयनिकुडसुअस्तुननगनसहिनायह
 कुमास्वादि॥ अर्धपतिकुस्वाहा॥ सेषपूजा॥ किननगुति॥ उंनीवायेतद
 धमास्तिनांजनान्हापिवास्तिनिधवगुरु४युधमासदाधमनिययकुत्त॥ श्री
 श्रीवायमीजानं॥ धीवास्तुकधपारुवगः॥ कुमाधिलोवीद॥ धवसूदजानिन
 मनुमे॥ ऊऊमानस्यादि॥ ॥ अतिसनिधवपूजाविधि॥
 (नाह्याहाकस्यान्स्वमेवत्वाजानधकुक्तव॥ स्नानकुरुनसंस्वावभा
 उंकवाववदनधावत्तवर्मधवकलंतीवनीवमहासुनस्तुवाहवष



समुद्रस्नानपवनकमुनेरुर्जकावधुपधरलंगस्नानउद्व
स्नाननेवद्यसमयधनामिसिचिकंलगुरुलेमसिकवउसिमधिहगु
सकगांनापक्रायेंनागु॥आप॥उंडांडीसिखाहा॥अधर्माअकालेमवेदक
नाकि॥अयमनुवउधीयवृमाहवापआधनकसुअमावास्यांजावायअध
वानकयायक्रमनिगवायसुदजागुयभूमवक्षयस्वजांहेगयकायवप
त्रिमारिसूखायककुवेधिवदवायविगुकायेसंधिदवमायवुक्त
नवक्तअधि॥कचदवमागय॥कच॥अर्कंननेगनसहेताय॥कक

सनतोदि॥अर्घ्यपति॥कसाहा॥संषय॥किननेगु॥उंमंरुवने
नोकोनाचकयमिलोपिवाककुवेवकनगांलासदाभानिययकुठु॥
धीयवमअमावास्याअध्वामनिगायथा॥विगुकायेधिवदवसुदकेगु
नममुक्त॥ककमानत्यादि॥॥॥मिककुसाकि॥॥॥कल
याअधसिंहासननसमनेस्नानकलीगसंरावना॥उंकरुजिनाकनी
संगगीगपदविरुपिगंपद्मासनसुववज्रसदवतमासह॥कनाय
नपूर्यंतम॥कगांजलि॥उंजांजिसंधीगुगुक्रयायनम॥धूपधीषलु

एतन्माग्रीवजसत्वाय ॥ पर्ववक्त्राय नमो पीताम्बरकाचविज्जसितांगरे
 नागकेशसेवक महोपमनागवलितुषितुषिचिंक्रपताकाप्रतिपद्यां नमो
 वाविवाहपूजयत ॥ ॐ श्रीगौरीं हः प्रयोगस्य विष्णुनामाय हं रुद्रस्वा हो ॥
 इत्युपाल ॥ ॐ गंगनेपमयः नमस्वाहा ॥ गनेपति ॥ ॐ स कं दाय नमः स्वाः
 हा ॥ ॐ महाकालाय नमस्वाहा ॥ ॐ जंबूजलोकः प्रवतत्र श्रीधं हं रुद्रस्वा
 हा ॥ आवाहन ॥ ॐ हं बुक्त्राय नमः स्वाहा ॥ मन्मथ ॥ ॐ हं वज्रचक्रस्वा
 हा ॥ रुद्रव ॥ ॐ श्रीनीलजिह्वादिश्वविष्णुमि ॥ बुक्त्राय पीताम्बरका

कमन्धनागमुखावेदमाताविसेनाकिनमामि हं स्वादिनी ॥ ॥ वेद
 चक्रतत्र हं स्व ॥ १ ॥ बुक्त्राय नमः ॥ २ ॥ भूपृथिव्युक्रमहाकं क
 मकपूत्रपुत्रुनि ॥ वेतपयस्य गंधर्वाकं कतवुल्लभ्यमानवस्वा
 हं स्वां नृगं रुद्रस्वा ॥ सितासि ॥ मभिनाभिमभि ॥ ॐ श्रीनीलजाम्बूकर्म
 कासंधानइक्ष्वावहं उधकसि विनोपाकृत्तपयानवदुदिति एहं हि
 वलिप्रतिगृह्णरुनरपंचरश्मिरुद्रस्वादि ॥ ॐ रुद्रविष्णुनेत्रवत्रयनवः
 सिप्रमिगृह्णरुद्र श्रीं हं रुद्रस्वाहा ॥ ॐ गुमिधनं विनोपाकृत्तपयानवदुदिति एहं हि

रु

नवग्रह

[illegible]

कांतिं स ज्ञानाय नमः ॥ ३ ॥ २३ ॥ पितृ मास्यं वरधनीः कर्मका
 विमलमद्युतिः स्वकुरु मंगलापातिः सिद्धाव वरदावधः वधाय
 ध्याने पृथ्वी नमः वांति सः वधाय ध्यान पृथ्वी नमः ॥ ३ ॥ २४ ॥ पितृ मास्यं
 वरधनी नूतन वरधनी सप्तः वधाय वरधनी नमः ॥ ४ ॥ २५ ॥ पितृ मास्यं
 मंदः वरधनी नमः ध्याने पृथ्वी नमः ॥ ५ ॥ २६ ॥ पितृ मास्यं
 देव्युत्तिः तत्कृतः पितृ वरधनी नमः ॥ ६ ॥ २७ ॥ पितृ मास्यं
 साकुरु कुरु मंदः स कुरु ध्याने पृथ्वी नमः ॥ ७ ॥ २८ ॥ पितृ मास्यं
 ४ ॥ २९ ॥ पितृ मास्यं स विवर्धनी नमः ॥ ८ ॥

वा ना स यो ध यो क र्क न्या को स त स स का स नि य वा य ध्या न प र्ष्य
 न मः प्रो णिं स स्वा हा ॥ १ ॥ उ क या व व क्थ धी व क्थ ऊ र्म ध र क
 र्क नी र नी यं स न स्य य ग र्क थ व मू हा व नी ग र्क थ ध्या न प र्ष्य न
 मः प्रो णिं स स्वा हा ॥ २ ॥ उ ध मा धि वा रु व स र्गं दि ना र्क हा त न
 ना ध मा स न ग त नि र्क क उ य स मू हा व नी क उ य ध्या न प र्ष्य
 न मः प्रो णिं स स्वा हा ॥ ३ ॥ उ र्क र्क जि ना न नी र्ग यी ग य दः
 वि रु धि र्ग य ना स न स्य व र्क उ स द र्क न मा स्य र्क उ ना यः
 ध्या न प र्ष्य न मः प्रो णिं स स्वा हा ॥ ४ ॥ थ रि ता च ना स्वा न

यमुहय ॥ ० ॥ २ करि गद स त वा यः ताड व मु क स फ म्मां
जा ग्रा यः वि सा षा न ऊ ग्रा यः का स्य व र्ण म्मां ग्रा यः ऊ ठि का ग्रा यः आ हि
नि व र्ण य प र्ण ति स र्वा य द्वा द स्तां मु न व र्ण म्मां क ता यः आ दि न द
व ता य अ धि द व र्ण म्मां य प र्ण ति द व ता अ र्ण ति व र्ण म्मां य प र्ण
वि स र्ण ति ना द व र्ण ति क य र्ण म्मां य र्ण ति ग र्ण म्मां य र्ण ति ना य र्ण म्मां
दि न द व ता अ र्ण ति क य र्ण म्मां ॥ १ ॥ द्वि त्स म्मां ता र्ण वा यः वे सा ष
र र्ण म्मां ता र्ण वा यः रु नि का न ऊ ग्रा यः आ ग्रा यः ग्रा यः स्य त व
र्ण यः वे स म्मां ता र्ण वा यः अ र्ण म्मां ता र्ण वा यः सा मा धि द

सुभावादि विराय २१

तौ च उमाय पुनं धिदव ताः ॐ तौ गव तुम रि रि वि गायति रु नु स्य ॐ
 नं त न ग न स ता यः ॐ दं स्व स द व ता च न न क म वा य ॐ पुं पु ति रु स्वा
 स्ता ॥ २ ॥ ॐ प्र धू दं स्व त वा य मा य दू दं स म्पां जा ग्रा य पु शो वा
 ध न रु रु जा ग्रा य तौ च रु गव ग्रा यः ॐ ग व द व ता स दं दौ य पु
 नं धिदव ता यः रु मि य वि रु पा रु रि वि गायति रु नु स्य ॐ तं त न
 ग न स रि ता यः ॐ रुं ग म न द व ता त ग ता च ग ॐ पुं पु ति रु स्वा
 स्ता ॥ ३ ॥ ॐ र म ग न्य दं स्व त वा यः स्ता गु न रु रु द्वा द म्भं उा ग्रा
 य ध न स्ता न रु रु ग्रा य ॐ नि य गव ग्रा य व स्य रु ग्रा य पि न व र्क

यधनत्राकितायः० सानेउगतिमूडवायःवृधञ्चिद्वना
यविस्ववेवधविधिःविस्वदवतःतिवमुउपचुउम्यः० त्वं
नत्रगनसहितायः० मां० प्रपुतिचुस्वाहा॥ ४ ॥ ॥ सिधुदस
तवायश्चानु० उक्र० उकादस्याजागायः० उर्द्धागुनीनेऊगाय
० गस्वता० गवगायः० वा० प्रनेजागायः० पितवस्त्रियः० यत्राकिदि
उगतिमूडवायः० वृहस्पतिश्चिद्वनायचु० नेपुत्वंचिद्व
वतायः० वृहस्पतिश्चिद्वनाः० वृज० उउपचुउम्यः० त्वं नत्रगनस
हितायः० मां० प्रपुतिचुस्वाहा॥ ५ ॥ ॥ उ० गवदस्वतवायः०

चिह्नं कथय प्रत्यं चिह्नं वता यः बुद्धिने बुद्धि विविध कथनं दत्ता
 गायति नृ उच्यते तं नृ मसहिता यः सं मां नृ पु पुति नृ सा
 ॥ २॥ नृ जलमपु तो सायः स्वयं गायिका यतः स्व नृ उ गायः स्वमि
 का किं ता य स्वयं न व ह्यः साने य मि मा ति म् इवा यः ऊर्मे
 चिह्नं वता यः सफ विविध प्रत्यं चिह्नं वता यः नृ त न ग न म
 हिता य ऊर्मे नृ स्या य वृ धि य नि पृ ह्यर्थः सं मां नृ पु पुति नृ सा
 हा ॥ १० ॥ यति नृ पु या य र ॥ ० ॥ किं व ति ॥

नृ त सि कु पृ ष्य सं का सं नृ सा य नृ स म प्र हं : लो क गा थ
 नृ ग दी पं क लि मं तु ल क न क लि ग जा न वि सा षा स फ मि त
 का स्य य स्य चि ह्नं व तं ऊर्मे जं तु न म सृ तः ॥ १ ॥ ली न सं धा
 म् नृ म ला रं क स्य पृ ष्य नि पि या स सां क ला हि नी रं उ मि दा म्
 किं प्र य नृ उः सो म वृ ह्य रं तु द स्या क हि का ष्य म य ति गं लि य ग
 व रं तु नं वृ स्य जा ति न म सृ त ॥ २ ॥ ध ग नी ग रं स रं वं ध जी
 व स म प्र हं सो मि द दा उ बी मि तं कु मा ला ग न क स्य ॥ पू र्वा षो षा

दम्पा ऊन कंस नीह न युति सान द्वा ऊ क सं दे के श्री ग न स त तं न म
॥ ३ ॥ आहि नि ग ई स उ तं क ई का व द ल प्र रं : स्वे म प उ म हाने ज
कु र्वे मा नि प्र य च उ ध नि ष्टा द्वा द सि ज त म य द म म म र व नाना
य न नि द व स वे स ज्ञा ति न मी स त ॥ ४ ॥ सि व लि क नि का का च
सु ता ग म यः प्र ष्ट वि उ द व म प्रि म हाने ज्ञा गु नो मा नि प्र य च उ सि ध
म म उ तं रा गु नि म क सं र वं गु न व व स द व न ल न मी स त ॥ ५ ॥
का मं स्य इ म का सं गु क व र वि उ वि तं मा नि द द उ वी नि ल दं य
व क्ता सः रा याः पू ष्य रा म य ते दं न व म्मा रा ग व स्य च उ क स

का धि दे व लं वि प्र ज्ञा ति न मी स तः ॥ ७ ॥ नी मा य लं द म न
ऊ न नि पि त वा म नि च ल ग हः य सा म दा सा नि प्र य च उ श्री हि
प्रि या मी ज्ञा तं श्री मा स कं य पी त व य तः ऊ मा सि गु मे लि दं ग व म
द ज्ञा ति न मी स त ॥ ८ ॥ अ त सि कू प ष्य सं का से नी मां ऊ न स मी
प्रि या मा नि द द उ वी नि तं ना रु च म क द्वा कू म द नः पा पि न
ग व ग तं सु नि प र्त मा म्मा स सै त ना रु का ना धि दे व लं सु द ज्ञा ति
न मी स त ॥ ९ ॥ सि इ न नू वि ला का ल न क व र्त्त नि ल पि वा र्क उ
वे न क नै ता ग व स दा सा नि प्र य च उ श्री प र व तं श्री मा वा स्या ई

सुखा मूनि गुणयोगी विप्र गुण शिखर सं गुड व
नमी रुते ॥ १॥ वंरु व्या वंरु नम व किं किता
नमग्र हा भाकि दय उठा नि नं सर्व बां मयि स
दा सुत धुता वल ध बा सुत वृष रु सं लिता उ मा य
सहिता दे वि रु न द वं नमी रुते ॥ १० ॥